परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

*** संरक्षक ***

हरीशचंद जैन, क्लर्क कालोनी , इन्दौर
अजीतकुमार जैन, स्कीम नं. 74, इन्दौर
राजेन्द्रकुमार जैन 'स्टेनो', ललितपुर

*** विशेष सहयोगी ***

जिनेन्द्रकमार जैन, तिलक नगर, इन्दौर
प्रदीपकुमार जैन, काला पीपल
सिद्धेशकुमार जैन, दुर्ग
उत्तमचंद जैन, महावीरपुरा, ललितपुर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड य कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन द्वारा श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय इन्दौर पर भेजें।

जैन प्रतीक चिन्ह

वर्ष 1975 में 1008 भगवान महावीर स्वामीजी के 2500वें निर्वाण वर्ष अवसर पर समस्त जैन समुदायों ने जैन धर्म के प्रतीक चिन्ह का एक स्वरुप बनाकर उस पर सहमति प्रकट की थी। आज कल लगभग सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं, वैवाहिक कार्ड, क्षमावाणी कार्ड, भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस, दीपावली आमंत्रण पत्र एवं अन्य कार्यक्रमों की पत्रिकाओं में इस प्रतीक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। यह प्रतीक चिन्ह हमारी अपनी परम्पराओं में श्रद्धा एवं विश्वास का द्योतक है।

मूल भावनाऐं – जैन प्रतीक चिन्ह कई मूल भावनाओं को अपने में समाहित करता है। इस प्रतीक चिन्ह का रुप जैन शास्त्रों में वर्णित तीन लोक के आकार जैसा है। इसका निचला भाग अधोलोक, बीच का भाग मध्यलोक है ऊपर का भाग उर्ध्वलोक का प्रतीक है। इसके सबसे ऊपर भाग में चंद्राकार सिद्ध शिला है। अनन्तान्त सिद्ध परमेष्ठी भगवान इस सिद्ध शिला पर अनंत काल से अनंत काल तक के लिए विराजमान हैं । चिन्ह के निचले भाग में प्रदर्शित हाथ अभय का प्रतीक है और लोक के सभी जीवों के प्रति अहिंसा का भाव रखने का प्रतीक है । हाथ के बीच में 24 आरों वाला चक्र चौबीस तीर्थंकरों द्वारा प्रणीत जिन धर्म को दर्शाता है, जिसका मूल भाव अहिंसा है, और ऊपरी भाग में प्रदर्शित स्वस्तिक की चार भुजाऐं चार गतियों – नरक, तिर्यंच, मनुष्य एवं देव गति की द्योतक हैं। प्रत्येक संसारी प्राणी जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त होना चाहता है। स्वस्तिक के ऊपर प्रदर्शित तीन बिन्दु सम्यक रत्नत्रय-सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र को दर्शाते हैं और संदेश देते हैं कि सम्यक रत्नत्रय मुक्ति प्राप्ति के लिए परम आवश्यक है। सबसे नीचे लिखे गये सूत्र 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' का अर्थ प्रत्येक जीव परस्पर (एक दूसरे)का उपकार करें, यही जीवन का लक्षण है। संक्षेप में जैन प्रतीक चिन्ह संसारी प्राणी मात्र की वर्तमान दशा एवं इससे मुक्त होकर सिद्धि शिला तक पहुंचने का मार्ग दर्शाता है।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

उपयोग निर्देश – जैन प्रतीक चिन्ह किसी भी विचारधारा, दर्शन या दल के ध्वज के समान है, जिसको देखने मात्र से पता लग जाता है कि यह किससे संबंधित है, परन्तु इसके लिए किसी भी प्रतीक चिन्ह का विशिष्ट (यूनिक) होना एवं सभी स्थानों पर समानुपाती होना बहुत ही आवश्यक है। यह भी आवश्यक है कि प्रतीक ध्वज का प्रारुप बनाते समय जो मूल भावनाऐं इसमें समाहित की गई थीं, उन सभी मूल भावनाओं को यह चिन्ह अच्छी तरह से प्रकट करता हो। **साभार**– सचिन जैन, बड़ौत

श्रुत सम्वर्धन पुरस्कार विश्व परिवार के संपादक श्री कैलाशचन्द्र जैन को

आचार्य ज्ञान सागर महाराज की प्रेरणा से शुरु हुए श्रुत संवर्धन संस्थान मेरठ द्वारा संचालित आचार्य विमलसागरजी स्मृति श्रुत संवर्धन पुरस्कार 2015, दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक, समाजसेवी श्री कैलाशचंद जैन को दिए जाने की घोषणा की गयी है। संस्थान के संयोजक डॉ. अनुपम जैन ने पुरस्कार की घोषणा करते हुए बताया कि श्री कैलाशचन्द्र जैन की समाजसेवा एवं रचनात्मक पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यापक योगदान को दृष्टिगत रखते हुए निर्णायक मंडल द्वारा यह निर्णय लिया गया है। इस पुरस्कार में उन्हें 51 हजार रुपया नगद, शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जायेगा। पुरस्कार समारोह दिल्ली में संपन्न होगा। आप गोलालारीय दर्शन पत्रिका के मार्गदर्शक व परामर्श प्रमुख है । गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई ।

बधाईयाँ

श्रीमती आशा अशोक कुमार जैन (शांती सीड्स) भोपाल ने नगर पालिका निगम चुनाव में चौथी बार विजयी रही है। इस बार आप 1286 मतो से विजयी रही। आपको इस बार एमआईसी सदस्य के रुप में प्रशासनिक विभाग का दायित्व भी सौंपा गया है। श्रीमती आशाजी को गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ ।

महावीर जयंती पर्व को हर्षोल्लास पूर्वक मनाएँ

महावीर जयंती पर्व के कार्यक्रमों में आप सपरिवार पूर्ण मनोयोग से सम्मिलित होकर जैन धर्म की प्रभावना को बढ़ाने का पूरा प्रयास करें । भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को जन जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर एवं युवा वर्ग को जैन धर्म की महत्ता से परिचित करावे।

आपसे निवेदन है कि आपके नगर में होने वाले कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी 15 अप्रैल तक पत्रिका कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि प्रकाशन किया जा सके ।

* सादर अनुरोध *

इन्दौर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाजजन पारम्परिक वेशभूषा में कांच मंदिर से प्रारंभ होने वाली शोभायात्रा में 2.30 बजे श्री नवीन पंचरतन के घर पर एकत्रित होकर समाज बैनर तले जुलूस में शामिल होंगे। आपसे अनुरोध है कि समाज के बैनर तले पधारकर शोभायात्रा का हिस्सा बने ना कि जुलूस के बाहर खड़े होकर भीड़ का हिस्सा बने ।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
1 मार्च 2015 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)